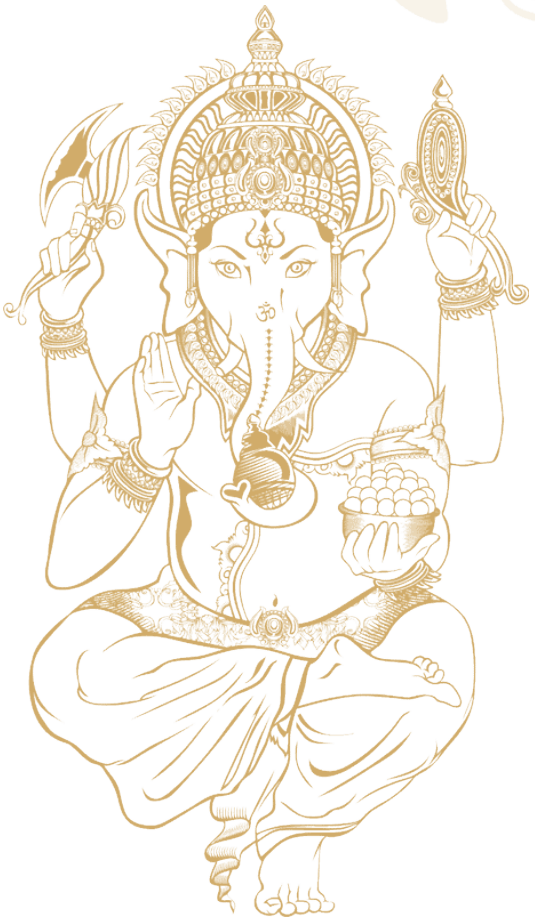

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121305210

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/06/1981	जन्म तिथि	08/03/1983
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:35:00	जन्म समय	08:45:00 घंटे
घटी 03:52:41	जन्म समय(घटी)	06:39:27 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Bhilai
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:01:55	सूर्योदय	06:19:57
18:33:54	सूर्यास्त	18:10:48
23:35:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:37:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 9मा 4दि	15:10:45	मिथु	लग्न	मेष	08:54:04	केतु 1वर्ष 4मा 14दि	
राहु	24:31:27	वृष	सूर्य	कुंभ	23:21:43	मंगल	
14/03/2015	19:29:30	सिंह	चंद्र	धनु	10:42:56	22/07/2020	
14/03/2033	09:07:45	वृष	मंगल	मीन	14:55:27	23/07/2027	
राहु 25/11/2017	11:36:31	मिथु	बुध	कुंभ	07:57:12	मंगल 18/12/2020	
गुरु 19/04/2020	07:04:39	कन्या	गुरु	वृश्चि	16:41:48	राहु 05/01/2022	
शनि 24/02/2023	11:01:33	मिथु	शुक्र	मीन	22:38:49	गुरु 12/12/2022	
बुध 13/09/2025	09:24:57	कन्या	शनि व	तुला	10:20:33	शनि 21/01/2024	
केतु 01/10/2026	09:05:38	कर्क	राहु व	मिथु	07:32:41	बुध 17/01/2025	
शुक्र 01/10/2029	09:05:38	मक	केतु व	धनु	07:32:41	केतु 16/06/2025	
सूर्य 26/08/2030	03:39:58	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि	15:28:27	शुक्र 16/08/2026	
चन्द्र 24/02/2032	00:02:28	धनु व	नेप	धनु	05:27:16	सूर्य 22/12/2026	
मंगल 14/03/2033	28:04:53	कन्या व	प्लूटो व	तुला	05:34:07	चन्द्र 23/07/2027	

लग्न-चलित

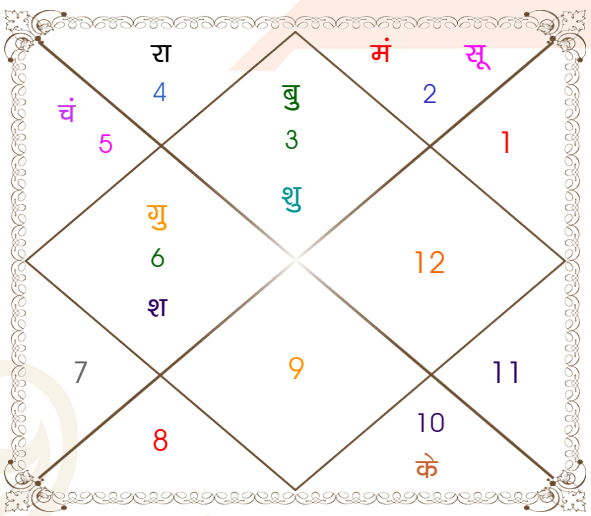

लग्न-चलित

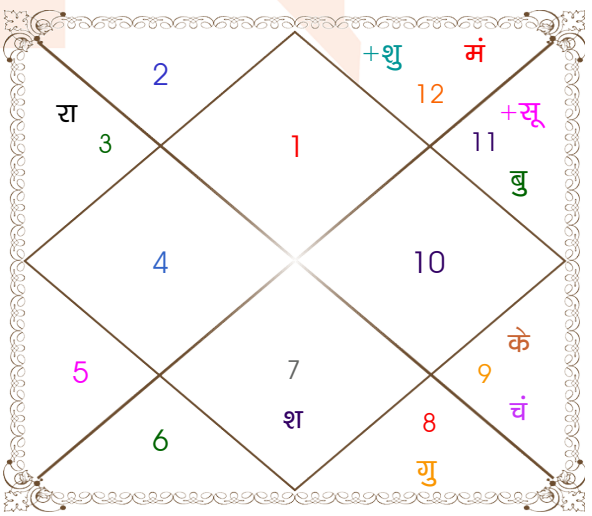

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग श्वान है तथा F का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु F कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।